राष्ट्रध्वज तिरंगा के गौरव गान से अनुप्राणित 244वीं कल्पकथा साप्ताहिक काव्यगोष्ठी

प्रभु श्री राधा गोपीनाथ जी महाराज की कृपा से संचालित राष्ट्र प्रथम, हिन्दी भाषा, सनातन संस्कृति, एवं सद साहित्य हेतु कृत संकल्पित कल्पकथा साहित्य संस्था की संवाद प्रभारी श्रीमती ज्योति राघव सिंह ने बताया कि संस्था के तत्वावधान में राष्ट्रभक्ति की भावधारा से ओतप्रोत 244वीं साप्ताहिक काव्यगोष्ठी का भव्य एवं गरिमामयी आयोजन राष्ट्रध्वज तिरंगा के सम्मान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन ने साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रप्रेम का अद्वितीय समन्वय प्रस्तुत करते हुए उपस्थित श्रोताओं के हृदय में देशभक्ति की अमिट छाप अंकित की।

कार्यक्रम का प्रभावी एवं सुसंगठित संचालन भास्कर सिंह माणिक एवं अमित पंडा अमिट रोशनाई द्वारा अत्यंत कुशलता के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आदरणीया अर्चना द्विवेदी गुदालु ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में बुंदेली लोक गायिका एवं साहित्यकार भारती नेमा की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा को और अधिक आलोकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विजय रघुनाथराव डांगे द्वारा प्रस्तुत संगीतमय गुरु वंदना, गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना से हुआ, जिसने समस्त वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से अभिसिंचित कर दिया। तत्पश्चात राष्ट्रध्वज तिरंगा की महिमा, उसके त्याग, शौर्य, शांति और समृद्धि के प्रतीकात्मक अर्थों को अभिव्यक्त करती हुई काव्य प्रस्तुतियों की मनोहारी श्रृंखला प्रारंभ हुई।

इस अवसर पर देश के विभिन्न अंचलों से जुड़े विद्वान सृजनकारों भावना कौर, मनवीन सिंह, सुरेश कुमार वर्मा रातावल, ज्योति देशमुख, नंदकिशोर बहुखंडी, ज्योति प्यासी, सुनीता रानी ममगाई, दिनेश दुबे, रमापति मौर्य, हेमचन्द्र सकलानी, चन्द्रा नेमा, डॉ. श्याम बिहारी मिश्र, विष्णु शंकर मीणा, सांद्रा लुटावन गणेश, पण्डित अवधेश प्रसाद मिश्र मधुप, भारती नेमा, अर्चना द्विवेदी गुदालु, विजय रघुनाथराव डांगे, भास्कर सिंह माणिक, अमित पण्डा अमिट रोशनाई, पवनेश मिश्र–ने अपनी ओजस्वी एवं भावपूर्ण रचनाओं से राष्ट्रप्रेम की भावना को सजीव कर दिया। काव्यगोष्ठी में प्रस्तुत रचनाओं ने तिरंगे के केसरिया रंग के त्याग और वीरता, श्वेत रंग की शांति और सत्यनिष्ठा तथा हरे रंग की समृद्धि और आशा के संदेश को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। इन प्रस्तुतियों ने श्रोताओं के मन में राष्ट्र के प्रति गर्व, सम्मान और समर्पण की भावना को सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत राष्ट्रगीत वन्दे मातरम का सामूहिक गायन किया गया, जिसने सम्पूर्ण वातावरण को देशप्रेम की पावन ऊर्जा से अभिसिंचित कर दिया। अंततः आयोजन के समापन पर दीदी श्रीमती राधा श्री शर्मा द्वारा आमंत्रित अतिथियों, सहभागी साहित्यकारों एवं समस्त दर्शक-श्रोताओं के प्रति हृदयपूर्ण आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। यह आयोजन न केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति का सशक्त मंच सिद्ध हुआ, बल्कि राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और सृजनशीलता का प्रेरणादायी उत्सव भी बन गया।

डा.अंबेडकर का महिला अधिकारों के लिए समर्पण

संसद से लेकर समाज तक आज महिला अधिकारों और सशक्तिकरण की चर्चा जोरों पर है। क्या हम जानते हैं कि इसकी वैचारिक और विधायी नींव स्वतंत्र भारत के शुरुआती वर्षों में ही डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा रख दी गई थी?। डॉ. अंबेडकर स्वतंत्र भारत के उन विरले और दूरदर्शी राजनेताओं में अग्रणी थे, जिन्होंने महिलाओं की समानता को केवल एक सामाजिक सुधार का विषय न मानकर इसे राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य शर्त के रूप में देखा। उनका सुस्पष्ट मत था कि किसी भी समुदाय की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। इसी दृष्टि के साथ उन्होंने न केवल सैद्धांतिक विमर्श किया, बल्कि विधायी और नीतिगत धरातल पर भी महिलाओं के उत्थान के लिए निर्णायक कदम उठाए और सतत् प्रयास किए। भारतीय संविधान के निर्माण के दौरान डॉ. अंबेडकर ने यह सुनिश्चित किया कि महिलाओं को पुरुष के समान नागरिक अधिकार प्राप्त हों। अनुच्छेद 14 और 15 के माध्यम से कानून के समक्ष समानता और लिंग आधारित भेदभाव के विरुद्ध सुरक्षा जैसे प्रावधान ऐतिहासिक मील के पत्थर साबित हुए।

अंबेडकर का सबसे क्रांतिकारी और साहसिक प्रयास हिंदू कोड बिल के रूप में सामने आया, जिसके माध्यम से उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, विवाह और तलाक में समानता तथा उत्तराधिकार के न्यायसंगत प्रावधान देने की पुरजोर वकालत की। उस दौर में इस विधेयक का रूढ़िवादी वर्गों द्वारा इतना तीव्र विरोध हुआ कि अंबेडकर ने अपने सिद्धांतों की रक्षा हेतु कानून मंत्री के पद से त्यागपत्र देना बेहतर समझा। हालांकि, कालांतर में इसी बिल के विभिन्न अंशों ने उन कानूनों का रूप लिया, जो आज भारतीय नारी के सम्मान और अधिकारों की आधारशिला बने हुए हैं। विधिक समानता के साथ-साथ डॉ. अंबेडकर ने श्रमिक महिलाओं के जीवन में भी गरिमापूर्ण परिवर्तन लाने की पहल की। उन्होंने मातृत्व लाभ, कार्य के निश्चित घंटे और खदानों व कारखानों में कार्यरत महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे प्रावधानों को श्रम कानूनों का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनका मानना था कि आर्थिक सशक्तिकरण के बिना सामाजिक स्वतंत्रता अधूरी है। वर्तमान समय में भारतीय जनता पार्टी और उनके सहयोगी दलों की केंद्र सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना उसी लंबी यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव प्रतीत होता है, जिसकी परिकल्पना दशकों पहले अंबेडकर ने की थी।

हालांकि, इस कानून के क्रियान्वयन को आगामी जनगणना और परिसीमन से जोड़ने के कारण इसकी समय-सीमा को लेकर राजनीतिक गलियारों में बहस जारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल कानूनी ढांचा तैयार करना पर्याप्त नहीं होगा अपितु इसके लिए सभी राजनीतिक दलों की वास्तविक इच्छाशक्ति और सामाजिक मानसिकता में आमूल-चूल परिवर्तन भी अपरिहार्य है। डॉ. अंबेडकर का संघर्ष आज भी हमें यह स्मरण कराता है कि वास्तविक प्रगति केवल नीतियों के निर्माण से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और समाज की व्यापक स्वीकार्यता से ही संभव होगी।

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

व्यवसाय की स्थिरता पर जोर देने वाला एक फ्लेक्सी-कैप पोर्टफोलियो, 1992 से संपत्ति का निर्माण

किसी भी निवेशक के लिए सफल निवेश की शुरुआत एक वास्तविक और स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य तय करने से होती है। ऐसा निवेश विकल्प चुनना जरूरी है जो आपको लगातार अच्छा रिटर्न दे सके, लेकिन इसके साथ-साथ उससे जुड़े जोखिम को समझना भी उतना ही जरूरी है, ताकि लंबे समय में बेहतर और संतुलित परिणाम हासिल किए जा सकें।

म्यूचुअल फंड में निवेश करके आप अपने अलग-अलग वित्तीय लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, चाहे वे छोटे समय के हों या लंबे समय के। इसमें विभिन्न एसेट क्लास (जैसे इक्विटी, डेट आदि) के कई तरह के विकल्प उपलब्ध होते हैं, जिनमें से आप अपनी जरूरत और जोखिम क्षमता के अनुसार चुनाव कर सकते हैं। यहां हम एक ऐसे म्यूचुअल फंड कैटेगरी के बारे में बता रहे हैं, जो लंबे समय में संपत्ति बनाने के लक्ष्य के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

फ्लेक्सी-कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी फंड होते हैं, जो अपनी कुल संपत्ति का कम से कम 65त्न हिस्सा अलग-अलग मार्केट कैपिटलाइजेशन (जैसे लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप) वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।

यूटीआई फ्लेक्सी कैप फंड इस श्रेणी के सबसे पुराने फंडों में से एक है (जिसे 1992 में लॉन्च किया गया था) और इसका लंबे समय तक लगातार प्रदर्शन करने का एक बेहतरीन ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। 30 मार्च, 2026 तक इस फंड का कुल कोष (Corpus) 20,400 करोड़ से अधिक है। यूटीआई म्यूचुअल फंड की यह स्कीम उन लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो ऐसे फंड की तलाश में हैं जो बेहतरीन गुणवत्ता वाले व्यवसायों में निवेश करने का प्रयास करता है, जिनमें निवेशकों के लिए आर्थिक मूल्य बनाने की क्षमता हो।

यूटीआई फ्लैक्सी कैप फंड का निवेश विचार गुणवत्ता, वृद्धि और मूल्यांकन के तीन स्तम्भों पर टिका है। पोर्टफोलियो की रणनीति ऐसे कारोबारों पर फोकस करने की है, जिनमें लम्बे समय तक मजबूत वृद्धि करने की क्षमता है और जो जिनका संचालन अनुभवी प्रबंधन द्वारा किया जा रहा है।

क्वालिटी (गुणवत्ता) का अर्थ है ऐसा कारोबार जो रिटर्न ऑन कैपिटल एम्पलायड (आरओसीई) या रिटर्न ऑन इक्विटी को लम्बे समय तक बनाए रख सके।

अच्छी गुणवत्ता वाले कारोबार वे हैं जो अपनी इंडस्ट्री या सेक्टर के बुरे समय में भी उच्च आरओसीई और आरओई प्राप्त कर सकें और हर समय अपनी पूंजी की लागत से उपर काम कर सकें। जो कारोबार उच्च आरओसीई/ आरओई रखते हैं, उनमें आमतौर पर नकदी का प्रवाह मजबूत बना रहता है और नकदी का यह प्रवाह आर्थिक मूल्य सृजन का स्रोत बन जाता है।

दूसरी तरफ 'ग्रोथ (वृद्धि) का अर्थ है कारोबार के लिए लम्बे समय तक लगातार वृद्धि। यह फंड उन कारोबारों पर जोर देता है जिनकी वृद्धि लगातार और उम्मीद के मुताबिक रहती है। यह चक्रीय या उम्मीद के अनिश्चित कारोबारों पर भरोसा नहीं करता है। चक्रीय वृद्धि या 'डी-ग्रोथ' बहुत अनिश्चित हो सकती है और निवेशकों को किसी भी दिशा में अचम्भित कर सकती है, जबकि निश्चित वृद्धि में जिसमें अपेक्षाकृत ज्यादा निश्चितता रहती है और दीर्घावधि चालकों तथा भविष्य के परिणामों को ज्यादा बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। जहां उच्च गुणवत्ता वाले व्यापार आर्थिक मूल्यों का सृजन करते हैं, वहीं उच्च वृद्धि वाले व्यापार इन आर्थिक मूल्यों की कम्पाउंडिंग करते हैं। यही कारण है कि फंड स्टॉक चुनने के लिए गुणवत्ता और वृद्धि वाले स्टॉक्स को तलाशता है।

फंड की निवेश रणनीति का तीसरा और अंतिम स्तंभ है – मूल्यांकन। किसी श्रेष्ठ व्यवसाय में निवेश की शुरुआत के लिए मूल्यांकन एक अत्यंत महत्वपूर्ण संकेतक होता है, इसलिए किसी स्टॉक में प्रवेश करने से पहले इसका गहराई से विश्लेषण करना आवश्यक है। हालाँकि प्राइस टू अर्निंग्स (P/E) मल्टीपल किसी व्यवसाय के मूल्यांकन को समझने के लिए एक अच्छा प्रारंभिक बिंदु हो सकता है, लेकिन यह अक्सर एक गलत समझा गया संकेतक भी होता है।

P/E वास्तव में किसी कंपनी की दीर्घकालिक नकद प्रवाह उत्पन्न करने और मूल्य निर्माण की क्षमता का एक सरलीकृत संकेतक मात्र है।

आमतौर पर देखा गया है कि जिन कंपनियों का RoCE (Return on Capital Employed) उच्च होता है और जो तेज़ी से बढ़ रही होती हैं, वे लंबे समय में अधिक मूल्य उत्पन्न करती हैं। इसलिए, ऐसी कंपनियों को गणितीय रूप से अधिक P/E मल्टीपल मिलना उचित माना जाता है।

यह अब भी उन निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प हो सकता है, जो अल्पकालिक रिटर्न की बजाय व्यवसाय की बुनियादी ताक़तों के आधार पर दीर्घकालिक निवेश करना पसंद करते हैं।

इसलिए केवल P/E रेशियो देखकर किसी निर्णय पर पहुँचना उचित नहीं है। प्रत्येक व्यवसाय की विशेषताओं को ध्यान से समझना चाहिए और फिर उसके लिए उचित मूल्यांकन की सीमा निर्धारित करनी चाहिए।

P/E अक्सर जितना दिखाता है, उससे कहीं ज़्यादा चीज़ें छुपाता है। इसलिए इसे हमेशा ऋष्टश्च, व्यवसाय में पुनर्निवेश की संभावनाओं, और फ्री कैश फ्लो जैसे अन्य संकेतकों के संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए।

यह फंड निवेश की 'ग्रोथ' स्टाइल को अपनाते हुए पूरे मार्केट कैपेटलाइजेशन में निवेश करना चाहता है।

30 मार्च, 2026 तक इस स्कीम की शीर्ष दस होल्डिंग्स में मुख्य रूप से आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, बजाज फाइनेंस लिमिटेड, इटरनल लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, टाइटन कंपनी लिमिटेड, एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, इन्फो-एज इंडिया लिमिटेड, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स लिमिटेड और भारती एयरटेल लिमिटेड शामिल हैं, जो इस फंड के कुल निवेश का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा बनाती हैं।

यूटीआई फ्लैक्सी कैप फंड उन इक्विटी निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो अपने 'कोर'इक्विटी पोर्टफोलियो को बढाना चाहते हैं और आर्थिक मूल्य का सृजन करने वाले अच्छे कारोबारों में निवेश कर दीर्घावधि पूंजीगत वृद्धि प्राप्त करना चाहते हैं।

सार रूप में कहा जाए तो जो निवेशक सामन्य जोखिम के साथ दीर्घावधि वित्तीय लक्ष्य के लिए 5 से 7 वर्ष तक का निवेश करना चाहते है, वे इस फंड में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं।

रिश्तों की बदलती परिभाषा...

समय के साथ बदलाव होता ही है और रिश्तों में भी यह देखने को मिलता है।

रिश्ते हमारे जीवन की वह नींव हैं, जिन पर हमारी खुशियाँ, हमारी पहचान और हमारा अस्तित्व टिका होता है। पहले परिवार संयुक्त होते थे, और रिश्तों में निभाने की भावना सर्वोपरि मानी जाती थी। लोग हर परिस्थिति में रिश्तों को बचाने और निभाने का प्रयास करते थे।

लोगों में सहनशक्ति बहुत अधिक होती थी, बड़े अगर किसी बात पर डांट भी दें तो कुछ कहते नहीं थे। मन ही मन गुस्सा हजम करने की सामर्थ्य रखते थे। आज रिश्तों में बराबरी का भाव भी देखने को मिलता है।

महिलाएँ आत्मनिर्भर हो रही हैं, अपने निर्णय स्वयं ले रही हैं, जिससे रिश्तों में संतुलन और साझेदारी की भावना बढ़ी है। अब रिश्ते अधिकार नहीं, बल्कि सहयोग और समझदारी पर आधारित हो रहे हैं।

हालाँकि, इस बदलाव के साथ कुछ चुनौतियाँ भी आई हैं।

रिश्तों में धैर्य और सहनशीलता कम हुई है, अपेक्षाएँ बढ़ी हैं, और कभी-कभी छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट भी जाते हैं। सबके दिमाग की गर्मी का तापमान बढ़ चुका है, वह अपनों की भी बाते नहीं सुन सकता।

पर एक बात और कहना चाहूंगी पहले लोगो के पास समय की कमी नहीं थी। आज के युवा अपने कार्यक्षेत्र और महंगाई के बीच मे सैंडविच बन रहे। आफिस या वर्क फ्रॉम होम में भी लगातार मीटिंग्स में व्यस्त रहते हैं।

इन सबके मध्य अपने परिवार के साथ बैठ लें यही कठिन होता है तो रिश्तेदारी निभाना कैसे संभव हो।

इसलिए वह ऐसे रिश्तों को ही स्वीकार करता है, जहाँ उसे सम्मान और सुकून मिले। तकनीक ने भी रिश्तों को नए रूप दिए हैं। मोबाइल और सोशल मीडिया ने हमें दूर बैठकर भी जोड़ दिया है, लेकिन कहीं न कहीं यह दूरी भी बढ़ा रहे हैं। अब बातचीत के तरीके बदल गए हैं–सामने बैठकर दिल की बात कहने की जगह, मैसेज और इमोजी ने ले ली है। इससे जुड़ाव तो बना है, पर गहराई कहीं कम होती दिखाई देती है।

रिश्तों की परिभाषा चाहे जितनी भी बदल जाए, उनकी अहमियत कभी कम नहीं हो सकती। इंसान को हमेशा प्रेम, अपनापन और सहारा चाहिए।

जरूरत है तो बस इन रिश्तों को समझदारी, संवेदनशीलता और सच्चाई से निभाने की। कपड़े को रफ़ू करने के लिए असीम धैर्य और अनुभव की आवश्यकता होती है जिससे ये न पता चल पाये कि कपडे में कहां फटकर दरार हो गयी थी ठीक ऐसे ही रिश्तो में आई दरार को तुरंत धैर्य रूपी धागे में समझदार रूपी सुई को पिरोकर धीरे धीरे दरार को भरने की कोशिश करें,हाँ धागे में गांठ रूपी अहंकार न हो नही तो रफ़ू आगे बढ़ ही नही पायेगा।

आज का इंसान अपने आत्मसम्मान और मानसिक शांति को प्राथमिकता देता है।

स्नेह के रिश्तों का एक दीपक
मन मे जरूर जलाए रखना !
मन मुटाव को मिटाते रहना,
प्रीत की रीत निभाये रखना,
कठिनाइयों से लड़ते हुए,
हर परेशानी जूझते हुए,
अपना गरूर बचाये रखना,
प्रकाश बिखेर कर गर्व से,
प्रकाश के संग डटे रहना !!
विदेशी ताकते सूक्ष्म रूप में,
टक्कर देने को बेताब रहेंगी,
सत्य की राह पर चलना,
ईश्वर का आशीर्वाद मिलेगा जरूर,
फितरत हारने में नही है,
बढ़ते चलने में ही है,
मंजिलों को पाने में ही है !!

भगवती सक्सेना गौड़
बेंगलुरु

वी द्वारा डेटा के विस्तार और अनलिमिटेड डेटा प्लान्स के चलते मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में डेटा की खपत 57 फीसदी बढ़ी

जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने ऐलान किया है कि नेटवर्क में लगातार विस्तार और उद्योग जगत में अग्रणी अनलिमिटेड डेटा पेशकश की वजह से उपभोक्ताओं के बढ़ते अडॉप्शन के चलते मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्कल में इसके डेटा की खपत 57 फीसदी बढ़ गई है।जनवरी 2025 से दिसम्बर 2025 के बीच वी ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 3411 नगरों एवं शहरों में एल1800 और एल900 स्पैक्ट्रम बैंड पर 7200 से अधिक साइट्स के साथ अपने नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त बनाया है। वी ने 11200 साइट्स पर सबसे प्रभावी 900 रू॥5 स्पैक्ट्रम तैनात किया है, जिसकी वजह से खासतौर पर शहरी एवं ज़्यादा भीड़भाड़ वाले इलाकों में इंडोर कवरेज बेहतर हुआ है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में वी के ट्रूली अनलिमिटेड डेटा प्रपोज़िशन के बढ़ते अडॉप्शन के कारण भी डेटा की खपत बढ़ी है।वी के नॉन-स्टाप हीरो प्लान्सः प्रीपेड उपभोक्ताओं की डेटा कोटा खत्म होने की समस्या को हल करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। मात्र रु 365 से शुरू होने वाले वी नॉन-स्टॉप हीरो प्लान पूरे महीने के लिए 24 घण्टे अनलिमिटेड 4त्न और 5त्न* डेटा देते हैं। वी के हीरो प्लानः ये प्लान रात 12 बजे से सुबह 6 बजे के बीच नाईट-टाईम अनलिमिटेड डेटा उपलब्ध कराते हैं। यूज़र बिना किसी लिमिट के सर्फ, स्ट्रीम और शेयर कर सकते हैं। रु 349 से शुरू होने वाले ये पैक बिना किसी अतिरिक्त लागत के वीकेंड डेटा रोलओवर और डेटा डिलाइट की सुविधा भी देते हैं, जिससे 2 जीबी तक एक्स्ट्रा डेटा मिल जाता है। ये सभी ऑफर्स उन उपभोक्ताओं को खूब लुभा रहे हैं, जो बिना किसी रूकावट के निश्चिंत होकर डेटा का इस्तेमाल करना चाहते हैं।

वी के नेटवर्क विस्तार के प्रयास, कंपनी के नेशनल नेटवर्क रूपान्तरण के अनुरूप हैं, जिसके तहत दिसम्बर 2025 तक 4त्न आबादी के कवरेज को 85.5 फीसदी से बढ़ाकर 90 फीसदी करने की योजना बनाई गई है। पिछले साल के दौरान वी ने देश भर में 130,00 से अधिक अतिरिक्त साइट्स शामिल कीं, जिसके चलते नेटवर्क कनेक्टिविटी में 40 फीसदी सुधार हुआ है। कंपनी ने मौजूदा वित्तीय वर्ष के दौरान 30,000 से अधिक अतिरिक्त साइट्स रोलआउट करने की योजना बनाई है, इसके साथ कंपनी अपने 17 प्रायोरिटी सर्कल्स में 5त्न सेवाओं का विस्तार भी जारी रखेगी।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच का वार्षिकोत्सव समारोह संपन्न

हिन्दी साहित्य को समर्पित संस्था वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच द्वारा देश विदेश में साहित्य की अविरल धारा बहाने हेतु काव्य गोष्ठियों का ऑफ़लाइन तथा ऑनलाइन अनवरत क्रम ज़ारी है। इसी क्रम में संस्था के वार्षिकोत्सव समारोह का भव्य आयोजन रविवार, दिनांक 12 अप्रैल 2026 को रेडरोज़ पब्लिक स्कूल, पालम विहार, गुरुग्राम (हरियाणा) के सभागार में किया गया। इस समारोह में देश-विदेश से पधारे साहित्यकारों ने एक से बढ़कर एक कविताएं सुनाकर वार्षिकोत्सव को नई ऊंचाइयाँ प्रदान कीं।

वार्षिकोत्सव समारोह में सान्निध्य प्राप्त हुआ मंच के संस्थापक डॉ नरेश नाज़ तथा मकाम ट्रस्ट की अध्यक्ष नियति गुप्ता का। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं मकाम की वैश्विक अध्यक्ष डॉ नीतू सिंह राय। समारोह की अध्यक्षता मंच के वैश्विक अध्यक्ष राजेन्द्र निगम राज ने की। मॉस्को से पधारीं मक़ाम, रूस की अध्यक्ष श्वेता सिंह उमा तथा राष्ट्रीय कवि संगम के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक बत्रा ने विशिष्ट अतिथि की भूमिका निभाई।

समारोह का आयोजन वनकाम की राष्ट्रीय संरक्षक वीणा अग्रवाल और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इन्दु राज निगम द्वारा किया गया। वनकाम की हरियाणा प्रदेश की चारों इकाइयों के अध्यक्षों विनय कुमार, शुभ तनेजा, हेमा चौहान तथा त्रिलोक चंद फ़तेहपुरी ने समारोह का संयोजन किया।

कार्यक्रम में मदन साहनी (महासचिव, सुरुचि संस्था), कमल चन्द्रा (अध्यक्ष, मध्य प्रदेश), अनिता झा (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़), उमंग सरीन (अध्यक्ष, दिल्ली 2), प्रिया वरुण कुमार (अध्यक्ष, दिल्ली 3), सुनीता बंसल (संरक्षक, दिल्ली 2), शकुंतला मित्तल (उपाध्यक्ष, हरियाणा 1), आभा कुलश्रेष्ठ (महासचिव, हरियाणा), लोकेश चौधरी (अध्यक्ष, प्रहरी मंच), डॉ प्रवीण शर्मा (अध्यक्ष, शिक्षा मंच1), कुलदीप कौर (वनकाम, दिल्ली 2), किशोर सिन्हा (वनकाम, बिहार), रश्मि रानी कौशल (वनकाम, सोनीपत), सीमा माहेश्वरी (वनकाम, सोनीपत), आशा सिन्हा कपूर (वनकाम, मध्य प्रदेश), अंजू क्वात्रा (दिल्ली), अपराजिता शर्मा (वनकाम, छत्तीसगढ़), मुकेश दत्त (वनकाम, दिल्ली 3), नवीन राणा, वनकाम, (शिलांग), आनंद गौतम (वनकाम, दिल्ली 3), दीपा शर्मा उजाला (सचिव वनकाम, हरियाणा 4), सुजीत कुमार (गुरुग्राम), अशोक सरीन (दिल्ली), बी पी बंसल (दिल्ली) एवं वरुण कुमार (दिल्ली) जैसे प्रतिष्ठित साहित्यकारों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं प्रभावशाली बना। बाल कवि के रूप में दिल्ली से 6 वर्षीय हर्षित कर्ण भी उपस्थित रहे। वार्षिकोत्सव समारोह में देशप्रेम और आपसी सौहार्द हेतु जागरूकता फैलाने वाली रचनाओं के साथ ही अन्य विषयों पर भी रचनायें प्रस्तुत की गईं।

वार्षिकोत्सव समारोह के मोहक, संयमित एवं आकर्षक संचालन का कार्यभार संभाला राजेन्द्र निगम ÷राज÷ तथा इन्दु ÷राज÷ निगम ने। समारोह के प्रारम्भ में सभी अतिथियों द्वारा माँ वाणी के चरणों में दीप प्रज्ज्वलित करके पूजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वीणा अग्रवाल द्वारा मधुर स्वर में प्रस्तुत माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। माँ वाणी की वन्दना ने सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात् मंच पर विराजमान अतिथियों तथा समस्त उपस्थित साहित्यकारों एवं उनके परिवारजनों को आई कार्ड, अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न एवं प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान कर के सम्मानित किया गया।

वर्ष 2025 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय मोहन सिंह को संस्थापक अवार्ड तथा मंच की चंडीगढ़-1 इकाई तथा पश्चिम बंगाल इकाई को सर्वश्रेष्ठ इकाई- 2025 प्रदान करने की घोषणा की गई, जिसका सभी उपस्थित साहित्यकारों द्वारा करतल ध्वनि से स्वागत किया गया।इन पुरस्कारों का की घोषणा मंच की राष्ट्रीय संरक्षक द्वारा की गई।

समारोह के अन्त में कार्यक्रम अध्यक्ष राजेन्द्र निगम 'राज' ने मॉस्को–रूस, पटियाला–पंजाब, भोपाल–मध्य प्रदेश, रायपुर–छत्तीसगढ़, पटना–बिहार, शिलांग –मेघालय, सोनीपत–हरियाणा, फरीदाबाद–हरियाणा, रेवाड़ी–हरियाणा, दिल्ली तथा गुरुग्राम से उपस्थित सभी साहित्यकारों के काव्यपाठ की सराहना के साथ साथ उनकी उपस्थिति हेतु उनका धन्यवाद ज्ञापित किया तथा यह भी कहा कि इस प्रकार साहित्यकारों द्वारा अपनी कविताओं द्वारा समाज को जागरूक करने का कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने अवार्ड प्राप्त करने हेतु सभी इकाइयों को बधाईयां भी दीं।साथ ही रेडरोज़ स्कूल से पधारे यतेन्द्र कुमार और संजीत कुमार का भी आभार ज्ञापित किया।